www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 247 | जौनपुर सोमवार, 27 अप्रैल 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

पश्चिम बंगाल चुनाव नतीजों तक टली त्रिपुरा जनजातीय परिषद के गठन की प्रक्रिया

अगरतला, (एजेंसी)। त्रिपुरा की प्रमुख क्षेत्रीय पार्टी टिपरा मोथा पार्टी (टीएमपी) ने त्रिपुरा ट्राइबल एरियाज ऑटोनॉमस डिस्ट्रिक्ट काउंसिल (टीटीएडीसी) के नए गठन को फिलहाल टालने का फैसला किया है। पार्टी का कहना है कि नई परिषद का गठन पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों का आकलन करने के बाद ही किया जाएगा। पार्टी के एक नवनिर्वाचित वरिष्ठ नेता के अनुसार, परिषद के चेयरमैन और मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) के चुनाव समेत पूरी गठन प्रक्रिया बंगाल चुनाव परिणामों के बाद ही आगे बढ़ेगी। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों में से 152 सीटों पर पहले चरण का मतदान गुरुवार को हो चुका है, जबकि शेष 142 सीटों पर 29 अप्रैल को वोटिंग होगी।इसी बीच त्रिपुरा सरकार के जनजातीय कल्याण विभाग ने अधिसूचना जारी कर बताया है कि राज्य के विधि सचिव संकारी दास 27 अप्रैल को टीटीएडीसी के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाएंगे। आम तौर पर शपथ ग्रहण के बाद ही नए चेयरमैन और सीईएम का चुनाव होता है, लेकिन इस बार पार्टी ने इंतजार करने का निर्णय लिया है। हाल ही में घोषित टीटीएडीसी चुनाव परिणामों में टीएमपी ने 28 में से 24 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। भाजपा को केवल 4 सीटों पर संतोष करना पड़ा। दिलचस्प बात यह है ।

बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले पंचायतों को मिला तोहफा, सीएम ने बांटे 9 करोड़

रांची, (एजेंसी)। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता के केंद्र में अंतिम व्यक्ति और सुदूरवर्ती गांव हैं। उन्होंने कहा कि राज्य का समग्र विकास तभी संभव है, जब गांवों का विकास सुनिश्चित हो। मुख्यमंत्री शुक्रवार को राजधानी रांची के खेलगांव स्थित टाना भगत स्टेडियम में आयोजित 'मुख्यमंत्री पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार सह मुखिया सम्मेलन' को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली ग्राम पंचायतों, ग्राम सभाओं, पंचायत समितियों और जिला परिषदों के बीच 9 करोड़ की प्रोत्साहन राशि वितरित की गई।कार्यक्रम के दौरान भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) से संबंधित 'टर्म्स ऑफ एंगेजमेंट' के तहत एक समझौते की औपचारिक प्रक्रिया भी पूरी की गई। इसके तहत अब पंचायत स्तर पर आधार कार्ड से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी, ताकि ग्रामीणों को इसके लिए इधर–उधर भटकना न पड़े।भारतीय समाचार मुख्यमंत्री ने पंचायत प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे सरकार और जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनकी कार्यकुशलता से ही विकास योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन संभव है। उन्होंने कहा कि सरकार का ध्यान गांवों से शुरू होता है ।

राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के दो-तिहाई से अधिक सांसदों का भाजपा में विलय : राघव चड्ढा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) को शुक्रवार को करारा झटका लगा है। राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा समेत पार्टी के सात सांसदों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने का ऐलान कर दिया है। राघव चड्ढा ने इसे श्आपश के दो–तिहाई से ज्यादा सांसदों का भाजपा में विलय बताया है। राघव चड्ढा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आज, भारत के संविधान के प्रावधानों का प्रयोग करते हुए राज्यसभा में आम आदमी पार्टी (आप) के दो–तिहाई से अधिक सांसदों ने भाजपा में विलय कर लिया है। सात सांसदों ने उस दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसे राज्यसभा के अध्यक्ष को सौंपा गया था। मैंने, दो अन्य सांसदों के साथ, व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षरित दस्तावेज सौंपे। वहीं, आम आदमी पार्टी ने इसे भाजपा का

श्ऑपरेशन लोटसश करार दिया है। पार्टी का आरोप है कि ईडी और सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों का भय दिखाकर आप के नेताओं को तोड़ने की साजिश रची गई है। आप राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि ऑपरेशन लोटस के माध्यम से भाजपा पंजाब की भगवंत मान सरकार को अस्थिर करना चाहती है। उन्होंने कहा कि यह पंजाब और पंजाब के लोगों के साथ धोखा है। पंजाब की जनता इसको कभी नहीं भूलेगी। इससे पहले राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पार्टी छोड़ने के फैसले पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आप अपने मूल सिद्धांतों से पूरी तरह भटक गई हैं। उन्होंने कहा कि जिस आप को मैंने 15 सालों तक अपने खून से सींचा, वह अपने मार्ग से भटक गई है। अब पार्टी देशहित के लिए नहीं, बल्कि अपने निजी फायदों के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी को दिल्ली, पंजाब और अन्य राज्यों में विस्तार देने के लिए सभी नेताओं ने मिलकर कड़ी मेहनत की थी, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। मैं आप से दूर जा रहा हूं और जनता के पास आ रहा हूं। भाजपा में शामिल होने के फैसले पर चड्ढा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की।

वित्त मंत्री सीतारमण ने सेबी से वित्तीय सिस्टम में केवाईसी को आसान और एक समान बनाने का किया आग्रह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को केवाईसी (नो योर कस्टमर) प्रक्रिया में बड़े बदलाव की जरूरत बताई। उन्होंने सेबी यानी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (एसईबीआई) से पूरे वित्तीय सिस्टम में केवाईसी को आसान और एक समान बनाने की दिशा में कदम उठाने का आग्रह किया। सेबी के 38वें स्थापना दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि एक ऐसा केवाईसी सिस्टम होना चाहिए जो सरल, सुरक्षित और हर प्लेटफॉर्म पर काम करने वाला हो। उन्होंने कहा कि अभी का सिस्टम लोगों के लिए परेशानी पैदा करता है, क्योंकि उन्हें बार–बार अलग–अलग जगह पर वही दस्तावेज और जानकारी देनी पड़ती है। वित्त मंत्री ने इस काम को जल्दी करने पर जोर देते हुए कहा कि फाइनेंशियल स्टेबिलिटी एंड डेवलपमेंट काउंसिल और अन्य नियामकों के साथ मिलकर एक साझा सिस्टम तैयार किया जाए। उन्होंने साफ कहा कि किसी

भी नागरिक को अलग–अलग प्लेटफॉर्म पर बार–बार केवाईसी नहीं करनी चाहिए। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि तेजी से बदलते वित्तीय बाजार को देखते हुए नियमों में बदलाव जरूरी है। उन्होंने कहा कि अब रेगुलेशन को केवल समस्या आने के बाद नहीं, बल्कि पहले से ही संभावित जोखिमों को ध्यान में रखकर बनाया जाना चाहिए।उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए होने वाले गलत इस्तेमाल, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय धोखाधड़ी और बढ़ते साइबर खतरों को बड़ी चुनौती बताया। वित्त मंत्री ने कहा कि आगे चलकर नियम बहुत ज्यादा सख्त और जटिल होने के बजाय सिद्धांतों पर आधारित होने चाहिए।

मध्य प्रदेश में कृषक कल्याण नहीं कृषक उत्पीड़न वर्ष : कमलनाथ

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने किसानों की समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा है कि राज्य में सरकार कृषक कल्याण वर्ष नहीं बल्कि किसान उत्पीड़न वर्ष मना रही है। दरअसल, राज्य की मोहन यादव सरकार ने वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष मनाने का ऐलान किया है, साथ ही किसानों

के हित में अनेक फैसले लिए जाने के दावे किए जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने वर्ष 2026 को ष्कृषक कल्याण वर्षष घोषित किया है, लेकिन सच्चाई यह है कि वह हर काम किसानों के खिलाफ ही करती है। किसानों को मुआवजा न मिलने और एक मंत्री के कथित बयान का हवाला देते हुए कमलनाथ ने कहा है कि भिंड जिले में जिन किसानों की फसल ओलावृष्टि से बुरी तरह बर्बाद हो गई और मंत्री तक ने यह मान लिया कि किसानों को फसल का 100 प्रतिशत नुकसान हुआ है, वहां भी सर्वे में 20 से 25 प्रतिशत नुकसान दिखाया जा रहा है ताकि किसानों को मुआवजा न देना पड़े। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने तंज कसते हुए कहा कि लगता है भारतीय जनता पार्टी के शब्दकोश में किसान कल्याण का अर्थ किसान उत्पीड़न हो गया है। इसलिए किसान कल्याण के नाम पर किसानों को न तो समय पर खाद–बीज मिलता है।

राजस्थान विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए जयपुर पहुंचे उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन शनिवार को जयपुर पहुंचे। वे राजस्थान विश्वविद्यालय के 35वें दीक्षांत समारोह और 23वें कैंसर सर्वाइवर्स डे कार्यक्रम सहित कई महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उनकी यह यात्रा शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और जन कल्याण से जुड़े कार्यों पर केंद्रित है। उनकी यह यात्रा सेवा–उन्मुख विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शैक्षणिक और सामाजिक पहलों में उनकी निरंतर उच्च स्तरीय भागीदारी को रेखांकित करती है। उपराष्ट्रपति के सोशल मीडिया हैंडल पर साझा की गई एक आधिकारिक पोस्ट के अनुसार, जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन का राजस्थान के राज्यपाल

री हरिभाऊ किसानराव बागडे, राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेम चंद बैरवा और अन्य व्यक्तियों द्वारा स्वागत किया गया। उपराष्ट्रपति आज राजस्थान विश्वविद्यालय के 35वें दीक्षांत समारोह और भगवान महावीर कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र के 23वें कैंसर सर्वाइवर्स डे कार्यक्रम में शामिल होंगे। उपराष्ट्रपति भगवान महावीर कैंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र द्वारा आयोजित 23वें कैंसर उत्तरजीवी दिवस में कैंसर उपचार में हुई प्रगति और समुदाय–आधारित स्वास्थ्य सेवा पहलों के महत्व पर प्रकाश डाला जाएगा। इससे पहले, गुरुवार को उत्तराखंड के एम्स ऋषिकेश के छठे दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने की थी। उन्होंने स्नातक मेडिकल छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह केवल अकादमिक प्रशिक्षण का अंत नहीं है, बल्कि समाज और राष्ट्र के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी की शुरुआत है। उन्होंने युवा डॉक्टरों से समर्पण, करुणा और दृढ़ संकल्प के साथ सेवा करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि स्वास्थ्य सेवा एक सार्वजनिक विश्वास और राष्ट्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है, और स्नातकों को निवारक देखभाल, ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच।

मध्य प्रदेश के 26 हजार गांव डेयरी विकास योजना जुड़ेंगे : मोहन यादव

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में ग्रामीण इलाकों में समृद्धि लाने के मकसद से पशुपालन और दुग्ध उत्पादन पर राज्य सरकार का जोर है। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि डेयरी विकास योजना के अंतर्गत 26 हजार गांवो को जोड़ने, प्रतिदिन दुग्ध संकलन 52 लाख किलोग्राम तक करने का लक्ष्य रखा जाए। मध्य प्रदेश स्टेट को–ऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन की राज्य स्तरीय संचालन समिति की द्वितीय बैठक में मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि दुग्ध उत्पादन से जुड़ी गतिविधियां किसानों की आय बढ़ाने में प्रभावी रूप से सहायक हैं। किसानों की आय दोगुना करने के लिए किसान कल्याण वर्ष में राज्य सरकार डेयरी

गतिविधियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित कर रही है। राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड द्वारा प्रदेश के दुग्ध संघों को दिए जा रहे सहयोग से दुग्ध संकलन में वृद्धि हुई है और किसानों को भी दूध के बेहतर दाम मिल रहे हैं।दुग्ध समितियों में महिला सदस्यता को प्रोत्साहित किया जा रहा है। डेयरी सहकारी कवरेज के विस्तार और सुदृढ़ीकरण, नई डेयरी प्रसंस्करण, उत्पाद निर्माण और पशु चारा संयंत्र के आधुनिकीकरण, डेयरी वैल्यू चौन के डिजीट्लाइजेशन, पारदर्शिता और दुग्ध उत्पादों की बिक्री को बढ़ाने के लिए समय–सीमा निधारित करते हुए कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने आगे कहा कि डेयरी विकास योजना के अंतर्गत 26 हजार गांवो को जोड़ने, प्रतिदिन दुग्ध संकलन 52 लाख किलोग्राम तक करने का लक्ष्य रख, गतिविधियां संचालित की जाएं।मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के दुग्ध क्षेत्र में अनुभव का लाभ राजधानी से लेकर ग्राम स्तर तक सुनिश्चित किया जाए। दूध और दुग्ध उत्पादों के बिक्री में सुधार के लिए ब्राण्ड सुदृढ़ीकरण और नई पैकेजिंग डिजाइन कर उत्पादों की पहुंच का अधिक से अधिक विस्तार किया जाए। मुख्यमंत्री यादव ने दुग्ध उत्पादन में वद्धि और विभिन्न दुग्ध उत्पादों के निर्माण के लिए किसानों को नवाचार करने के लिए प्रेरित किया जाए।

पंजाब विरोधी है भाजपा, गद्दारों को सबक सिखाएगी जनता : भगवंत मान

चंडीगढ़, (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) छोड़ने वाले सांसदों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हमेशा से पंजाब विरोधी रही है और राज्य के लोग गद्दारों को सबक सिखाएंगे। भारत राजनीति भगवंत मान ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी किसी भी व्यक्ति से बड़ी होती है। जो सांसद पार्टी छोड़कर गए हैं, वे पंजाब का प्रतिनिधित्व नहीं करते। जब उन्हें भगवंत मान के खिलाफ कुछ नहीं मिला, तो उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) को तोड़ने की कोशिश की। भाजपा दूसरी पार्टियों में बाधाएं पैदा करती है।उन्होंने कहा, श्पंजाबी दिल से सभी से प्यार करते हैं, लेकिन अगर कोई उनके साथ विश्वासघात करता है, तो वे उसे कभी नहीं भूलते। भाजपा में शामिल हुए 6–7 आप सांसद पंजाब से नहीं

हैं। उन्होंने कहा, श्ये लोग पंजाबियों के गद्दार हैं। इन्हें सीटें मिलीं, इन्हें वोट मांगने की जरूरत नहीं पड़ी। इन्हें सड़कों पर जाकर लोगों के मुद्दों पर बोलने की जरूरत नहीं पड़ी। ये सिर्फ खुद को बचाने के लिए वहां गए थे। अब वहां भी इनके लिए जगह नहीं है क्योंकि ये भाजपा के साथ हैं।श्उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने पंजाब के साथ विश्वासघात किया है। मुख्यमंत्री ने कहा, श्वही 'वॉशिंग मशीन' शरद पवार, शिवसेना–यूबीटी और कांग्रेस के साथ भी इस्तेमाल की गई। भाजपा का पंजाब में कोई आधार नहीं है।श उन्होंने कहा कि जब से बेअदबी के खिलाफ सख्त कानून बनाए गए हैं, तब से भाजपा में बेचौनी साफ दिख रही है और वह इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रही है।

अधिकतर सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्डिंग ना होने के चलते कैंट व अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन की सुरक्षा राम भरोसे

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।कैंट रेलवे स्टेशन तथा अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरा में से महज कुछ ही सीसीटीवी कैमरा में रिकॉर्डिंग हो रही है बाकी अन्य में रिकॉर्डिंग नहीं हो रही है।जिसके चलते इन दोनों रेलवे स्टेशनों की सुरक्षा व्यवस्था राम भरोसे चल रही है।देखा जाये तो राम मंदिर निर्माण के बाद से सुरक्षा को लेकर विशेष सावधानी बरती जा रही है।इसके बावजूद इन दोनों रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा को लेकर कोई व्यापक इंतजाम नहीं है।मजे की बात तो यह है इन दोनों रेलवे स्टेशनों पर जितने भी सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं उनमें से महज कुछ ही कैमरों को छोड़कर बाकी सब लाइव है अर्थात लाइव का तात्पर्य किसी घटना की रिकॉर्डिंग उक्त सीसीटीवी कैमरे में नहीं हो पा रही है जिससे कि इन दोनों रेलवे स्टेशनों पर किसी भी तरह की गतिविधियों का रिकॉर्डिंग नहीं देखा जा सकता।बताते चले अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर इस समय 78 सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं।जिनमें से महज एक दर्जन से कम ही सीसीटीवी कैमरा में रिकॉर्डिंग हो रही है और बाकी का सिर्फ लाइव चल रहा है।सीसीटीवी कैमरे को अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1 से लेकर प्लेटफार्म नंबर

5, प्रतीक्षालय टिकट काउंटर सहित अन्य प्रमुख स्थानों तथा सर्कुलेटिंग एरिया मे देखा जा सकता है।वही अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर कुल 216 सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं जिनमें से महज 88 सीसीटीवी कैमरे सुचारू रूप से चालू है और उनका रिकॉर्डिंग हो रहा है यह सभी सीसीटीवी कैमरे अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 1,2 और 3 पर लगे हैं।इस संबंध में जब सेक्शन इंजीनियर टेलीकॉम के अधिकारी से बात करने की कोशिश की गई तो उनका फोन कॉल जाने की बावजूद भी नहीं उठा।जिससे यह पता लगता है कि अयोध्या कैंट तथा अयोध्या धाम रेलवे स्टेशन पर रेल यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था राम भरोसे है।

उत्तराखंड बोर्ड की 10वीं और 12वीं परीक्षाओं के नतीजे घोषित, सीएम धामी ने छात्रों को दी बधाई

देहरादून, (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा में सफल हुए सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने परीक्षाओं में असफल छात्रों का उत्साहवर्धन भी किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा, ष्उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट परीक्षा में सफल हुए सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई और उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं। यह सफलता आपके निरंतर परिश्रम, अनुशासन और अटूट संकल्प का प्रमाण है। विश्वास है कि आप इसी लगन और आत्मविश्वास

के साथ अपने सपनों को साकार करते हुए जीवन में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे।ष उन्होंने आगे लिखा, ष्जिन विद्यार्थियों को इस बार अपेक्षित परिणाम नहीं मिल सका है, वे हतोत्साहित न हों। धैर्य, सकारात्मक सोच और सतत प्रयास के साथ आप निश्चित रूप से सफलता हासिल करेंगे। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद (यूबीएसई) ने शनिवार सुबह 10 बजे 2026 के लिए कक्षा 10 और कक्षा 12 की बोर्ड परीक्षाओं के नतीजे घोषित किए। इस साल लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन किया है। जिन छात्रों ने परीक्षा दी थी, वे अपने नतीजे यूबीएसई की आधिकारिक वेबसाइट पर देख सकते हैं। कक्षा 10 के नतीजों में कुल पास प्रतिशत 92.10 प्रतिशत रहा है। लड़कियों में पास प्रतिशत 96.07 फीसदी रहा, जबकि लड़कों में पास प्रतिशत 88.03 फीसदी दर्ज किया गया। नैनीताल जिले के रामनगर के अक्षत गोपाल 98.20 प्रतिशत अंकों के साथ राज्य के टॉपर रहे। ईशांत कोठारी और भूमिका 98 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर आए। 97.80 प्रतिशत अंकों के साथ योगेश जोशी ने तीसरा स्थान हासिल किया। इंटरमीडिएट (कक्षा 12) की परीक्षाओं 2026 में कुल पास प्रतिशत 85.11 फीसदी रहा। लड़कियों ने एक बार फिर चार्ट में बढ़त बनाई, उनका पास प्रतिशत 88.09 फीसदी रहा, जबकि लड़कों में पास प्रतिशत 81.93 फीसदी था।

संपादकीय

धनी लोग और धनी

बुनियादी विकास में निवेश घटने का दुष्प्रभाव गरीब तबकों पर पड़ता है। उधर सरकार जो ऋण लेती है, उस पर दिया जाने वाला ब्याज अंततरू धनी लोगों की जेब में ही पहुंचता है। इससे वे और धनी होते हैं।

साल 2024—25 में भारत सरकार पर देशी ऋण 8.35 और विदेशी कर्ज 9.83 फीसदी बढ़ा। उधर पिछले वित्त वर्ष की तुलना में उसके पूंजीगत खर्च में 0.08 प्रतिशत की गिरावट आई। ये आंकड़ें सीएजी की ताजा रिपोर्ट से सामने आए हैं। स्पष्टतरू ऋण बढ़ने का एक प्रमुख कारण पिछले कर्ज (और उस पर ब्याज) को चुकाने के लिए लिया गया नया कर्ज है। कर्ज के बढ़ते बोझ का खामियाजा पूंजीगत व्यय (यानी ठोस विकास कार्यों) को चुकाना पड़ रहा है। यह चिंताजनक रुझान है। ऋण से पूंजी निर्माण या सामाजिक विकास हो रहा हो, तो उस कर्ज की सकारात्मक भूमिका समझी जाती है। लेकिन ऋण की रकम रोजमर्रा के उपभोग या पिछले ऋण को चुकाने में खर्च हो रही हो, अथवा कर्ज लेकर हुए निवेश के लाभ चंद हाथों में सिमट रहे हों, तो समझा जाएगा कि देश दुर्दशा की तरफ जा रहा है। सेंटर फॉर फाइनेंशियल अकांटिबिलिटी नाम के गैर—सरकारी संगठन की ताजा रिपोर्ट— श्वेल्थ ट्रैकर इंडियारू 2026य इस बारे में एक महत्त्वपूर्ण जानकारी देती है। इसके मुताबिक 2029 से 2025 की अवधि में भारत के पांच सबसे अधिक समृद्ध परिवारों के धन में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जबकि निचली 50 फीसदी आबादी का धन जहां का तहां रहा। इतनी बड़ी जनसंख्या के पास देश का महज 6.4 प्रतिशत धन है। गौरतलब है कि पूंजीगत व्यय में गिरावट की सबसे ज्यादा मार इन तबकों पर ही पड़ती है। मानव एवं भौतिक विकास में निवेश घटने का अर्थ है इन तबकों की प्रगति की आस का कमजोर पड़ना। उधर चूंकि सरकार ऋण धनी लोगों के स्वामित्व वाले संस्थानों से ही लेती है, तो उस पर दिया जाने वाला ब्याज उन लोगों की जेब में पहुंचता है। यानी उनका धन और बढ़ता है। वेल्थ ट्रैकर रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि देश के 1,688 अति धनी व्यक्तियों (1000 करोड़ रुपये से अधिक संपत्ति वाले) पर वेल्थ टैक्स लगा कर सरकार 10 लाख करोड़ रुपये सालाना जुटा सकती है। इससे आम जन के विकास के लिए जरूरी धन का इंतजाम हो सकेगा। मगर ऐसा तब होगा, जब सर्वांगीण विकास सचमुच सरकार की प्राथमिकता होगी!

एक असफल विधेयक के पीछे की गहरी कहानी

जगदीश

कुल मिलाकर इस पूरी कवायद की उपलब्धि यही रही कि परस्पर विश्वास टूट गया। परस्पर विश्वास का पहला हिस्सा सत्तारूढ़ वर्ग और उन्हें चुनने वाले लोगों के बीच होता है। चुने हुए लोगों पर भरोसा किया जाता है कि वे मतदाताओं की जरूरतें पूरी करेंगे। दूसरा हिस्सा नागरिकों के बीच का भरोसा है, जिन्हें मिलकर लोकतांत्रिक राज्य और उसकी संस्थाओं के लीवर्स पर काम करना चाहिए। लोकसभा में महिला रिजर्वेशन का मुद्दा सीधा—सादा होना चाहिए था। सरकार कहती है कि वह महिला आरक्षण चाहती हैय विपक्ष पूरी तरह इसके साथ है। फिर भी, देश को महिलाओं के लिए आरक्षण नहीं मिला बल्कि एक ऐसा विधेयक मिला जिसे फेल होने के लिए ही बनाया गया था। बिल के गिरने के बाद अब भारतीय जनता पार्टी हमलावर हो गई है। मानो इसका पूरा मकसद विपक्ष के खिलाफ राजनीतिक बातचीत को टकराव और कड़वाहट के एक नए स्तर पर ले जाना था। हाल के दिनों में भारतीय लोकतंत्र इसी बुरी हालत में पहुंच गया है। भाजपा के नेतृत्व में यह एक ऐसी संस्कृति है जिसने राजनीति को मुक्केबाजी के रिंग जैसा बना दिया है जिसमें विपक्ष को हर कदम पर हैरान, सदमे में और मैदान से बाहर होना पड़ता है। महिला आरक्षण से जुड़े मुद्दे चालबाज राजनीति का सिर्फ नया उदाहरण हैं जो राजनीतिक गर्मी बढ़ाने, भरोसे में कमी लाने और द्विपक्षीय सहमति की किसी भी गुंजाइश को खत्म करने में योगदान दे रहे हैं— जो लोकतंत्र में रोजमर्रा के कामकाज का हिस्सा होना चाहिए।ध्यान देने वाली बात यह है कि महिलाओं के लिए आरक्षण से जुड़ा विधेयक (131वां संविधान संशोधन विधेयक) उन महत्वपूर्ण राज्यों के चुनावों के दौरान आया है जिन पर काफी चर्चा हो रही है। जिस बिल को सदन में दो—तिहाई बहुमत की जरूरत थी उसे किसी प्रसार या सलाह—मशविरा किए बिना कुछ आश्चर्यजनक अनुच्छेद— एक नये और जल्दबाजी वाले परिसीमन के साथ लाया गया जिससे 2029 के चुनावों से पहले लोकसभा सीटें 543 से बढ़कर 850 हो जाएंगी। इनमें से 33 प्रतिशत बढ़ी हुई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। सरकार को पता रहा होगा कि सही सलाह—मशविरे और पहले से सहमति के बिना इतना बड़ा बदलाव पारित नहीं होगा। भाजपा की चुनावी मुहिम के हिस्से के तौर पर विधेयक का अवश्यंभावी रूप से गिरना विपक्ष पर नए हमले का आधार बन गया।साफ है, दक्षिणी राज्यों ने विधेयक का विरोध किया। विधेयक पास होने का मतलब था कि वे अनुपात के हिसाब से सीटें खो देंगे क्योंकि उनकी आबादी जनसंख्या नियंत्रण या जनसंख्या नियंत्रण के करीब पहुंच गई है जबकि भाजपा के कंट्रोल वाले उत्तरी राज्यों को विकास की अपर्याप्त व खराब कोशिशों के बावजूद या उसकी वजह से ज्यादा सीटें मिलेंगी। यह होना ही था क्योंकि परिसीमन का मकसद उस आबादी को सामान्य बनाना है जिनकी सेवा जनता के प्रतिनिधि करते हैं ताकि ज़्यादा जनसंख्या का मतलब लोकसभा में ज़्यादा सीटें हों। इसके अलावा जिस सरकार ने कभी विपक्ष के साथ भरोसे का माहौल नहीं बनाया उस पर कई वर्षों से लंबित परिसीमन प्रक्रिया में लोकसभा सीटों की सीमाओं को फिर से बनाने का विश्वास कैसे किया जा सकता है? ऐसे प्रयास के लिए समर्थन की कमी साफ थी।फिर भी विधेयक पेश किया गया जो उम्मीद के मुताबिक गिर गया और ऐसा लगा कि भाजपा ने इसे एक नए हमले के लिए इस्तेमाल किया ताकि वह खुद को महिला आरक्षण का समर्थक दिखा सके और विपक्ष को बदनाम कर सके। यह दुखद घटना 18 अप्रैल को रात 8.30 बजे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देश के नाम संबोधन से और भी खराब हो गई जिसने एक बड़े सरकारी पद को महत्वपूर्ण राज्य चुनावों के बीच एक पार्टी का हिस्सा बना दिया। यह भाषण भाजपा के लिए और भाजपा की तरफ से पर्चे बांटने जैसा था जिसमें विधेयक पर हुई गड़बड़ी के बारे में कोई सफाई नहीं दी गई।प्रधानमंत्री ने विपक्षी पार्टियों का नाम लिया और उन पर महिलाओं के लिए आरक्षण न चाहने का आरोप लगाया जबकि मुद्दा सरकार और 2029 के चुनावों के लिए उसके शॉर्ट टर्म एजेंडे पर गहरा अविश्वास था। इस प्रक्रिया में प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक राजनेता—नेता के तौर पर उभरने का मौका खत्म हो गया और जो विषय को समझाने, स्पष्ट करने और देश को एक साथ लाने के लिए जिम्मेदार था। भाजपा के हिसाब से यह हार शायद कुछ भी मायने नहीं रखती लेकिन यह भरोसे के टूटने की तरफ एक और कदम है जिससे सत्तारूढ़ और विपक्ष के बीच बातचीत की गुंजाइश और कम हो जाती है। प्रधानमंत्री के देश के नाम खास भाषण का इस्तेमाल इसके पहले कभी गाली—गलौज के लिए नहीं किया गया जिसमें खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले के भाषण भी शामिल हैंइस बीच आरक्षण का मुद्दा अब और ज़्यादा राजनीतिक हो—हल्ले में उलझा हुआ है जिससे असली सवाल हल नहीं होता। विपक्ष ने निश्चित रूप से मांग की है कि किस तरह यहीं पर (इसी विधेयक में) नए परिसीमन की प्रक्रिया और उससे जुड़े सभी विवादित मुद्दों का इंतजार किए बिना सरकार महिलाओं के लिए आरक्षण लागू करने के लिए रास्ते ढूंढ सकती है। सप्ताहांत में द्रमुक ने बिना परिसीमन या जनगणना रिपोर्ट के मौजूदा लोकसभा सदस्यों के आधार पर महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटों का आरक्षण लागू करने के लिए एक निजी सदस्य संविधान संशोधन विधेयक पेश किया। यह ध्यान देने वाली बात है कि लोकसभा में मौजूदा सदस्यों के प्रतिशत के तौर पर तृणमूल कांग्रेस में महिलाओं की संख्या सबसे ज़्यादा— 38 फीसदी (29 में से 11 महिलाएं) है जबकि भाजपा में यह सिर्फ 13 प्रति सैकड़ा (240 में से 31 महिलाएं) हैं। कुल मिलाकर इस पूरी कवायद की उपलब्धि यही रही कि परस्पर विश्वास टूट गया। परस्पर विश्वास का पहला हिस्सा सत्तारूढ़ वर्ग और उन्हें चुनने वाले लोगों के बीच होता है। चुने हुए लोगों पर भरोसा किया जाता है कि वे मतदाताओं की जरूरतें पूरी करेंगे। दूसरा हिस्सा नागरिकों के बीच का भरोसा है, जिन्हें मिलकर लोकतांत्रिक राज्य और उसकी संस्थाओं के लीवर्स पर काम करना चाहिए ताकि नियमों को नियंत्रण में रखने के लिए उन पर नजर रखी जा सके और जरूरी दबाव डाला जा सके। इस तरह का संतुलित लेन—देन एक लोकतांत्रिक व्यवस्था की जान है। लेकिन जैसे—जैसे हिंसा की भाषा हावी होती है और तीखी आवाजों को बढ़ावा मिलता है, वे नागरिकों के बीच शिष्ट संवाद के लिए जगह कम करते हैं और लोकतांत्रिक आवाजों को कम करते हैं। इसका नतीजा यह होता है कि कम हुआ भरोसा एक गिरती हुई लोकतांत्रिक व्यवस्था का संकेत देता है जो इस समय देश के लिए सबसे बड़ी चिंता होनी चाहिए। इस तरह फेल हुआ यह विधेयक भारतीय लोकतंत्र में धीरे—धीरे साफ तौर पर दिखाई देने वाले क्षेत्रों में और कभी—कभी कई अनदेखे तरीकों से जो कुछ भी गलत हो रहा है, उसकी गहरी कहानी बताता है।ऊपर से जो टोन सेट किया जाता है, उसे पार्टी के नेता और कार्यकर्ता नीचे भी कॉपी कर सकते हैं ताकि देश भर में सौ दूसरे तरीकों से हिंसक भाषा, धमकियों या दादागिरी का वही मिश्रण इस्तेमाल किया जा सके ।

महिला आरक्षण विधेयक – नाम भर में है वंदन

मीनाक्षी नटराजन

कुछ और भी बुनियादी सवाल हैं। विपक्ष ने वृहद नारी समता और न्याय के चलते विधेयक के नामकरण पर अटकना रणनीतिक तौर पर आवश्यक नहीं समझा होगा। नाम में क्या रखा है, असल मकसद को समझा जाये। ऐसी विचार व्यवस्था बहुत हद तक पैठ चुकी है, पर नाम राजनीतिक होते हैं। खासकर विधेयकों के नाम को राजनीति से परे नहीं मान सकते। राजनीति नारी वंदन अधिनियम विधेयकश वर्ष 2023 में सर्व—सम्मति से पारित हुआ था। प्रमुख विपक्षी दलों ने 2024 के आम चुनाव से ही श्महिला आरक्षणश को लागू करने की पेशकश की थी। सरकार ने इसे यह कहकर टाल दिया था कि जनगणना और परिसीमन के पहले यह सम्भव नहीं है। तब तक श्जाति जनगणनाश को देशद्रोही कदम के बतौर प्रस्तुत किया जा रहा था। इस बीच नवीन लोकसभा का सदन करीबन आठ सौ सदस्यों के लिए बनाया गया। वो सरकार जो जातिगत गिनती के लिए कुछ समय पहले ही घुटने टेक चुकी थी, जो पहले कहती थी कि जनगणना इतनी जल्दी नहीं हो सकती, इसलिए श्महिला आरक्षणश भी नहीं हो सकता, उसे अब सब कुछ जल्द क्रियान्वित करने की गरज क्यों?कुछ और भी बुनियादी सवाल हैं। विपक्ष ने वृहद नारी समता और न्याय के चलते विधेयक के नामकरण पर अटकना रणनीतिक तौर पर आवश्यक नहीं समझा होगा। नाम में क्या रखा है, असल मकसद को समझा जाये। ऐसी विचार व्यवस्था बहुत हद तक पैठ चुकी है, पर नाम राजनीतिक होते हैं। खासकर विधेयकों के नाम को राजनीति से परे नहीं मान सकते। महिला अपनी विभिन्न भूमिकाओं से परे मानव हैं। यह निसर्ग द्वारा प्रदत्त हक है। इसको मान्य किये बगैर किसी वंदन के कोई मायने नहीं। पितृसत्ता बरसों से स्त्री को परिभाषित करती आई है। वह कभी देवी, कभी दासी, कभी सहचरी के रूप में देखी जाती है। वह वन्दनीय, प्रातरू स्मरणीय होती है। मगर उसके कुछ मानक हैं जो पुरुष तय करते हैं। अहिल्या, सीता, तारा, मंदोदरी, द्रौपदी ब्राह्मणवादी आस्था परम्परा में प्रातरू स्मरणीय हैं। कीमत चुकाकर क्या कोई स्त्री वंदन योग्य हुई है? यह इन उदाहरणों से स्वयंसिद्ध है। एक तरह से इन पांचों पर थोपी गईं जबरदस्ती, तथाकथित शुद्धता की परीक्षा, उसके स्वामित्व का सवाल, उपभोग, उपयोग और वस्तुकरण को वैधानिकता मिलती है। वंदन की परंपरा में महिला हकद्ध के साथ पैदा नहीं होती। उसको भलमनसाहत वाले पुरुष कुछ देते हैं। जाहिर है, हकद्ध के साथ पैदा होना और किसी से मेहरबानी में कुछ प्राप्त करना दो बहुत अलग व्यवस्था है। प्रधानमंत्री स्व. राजीव गांधी ने स्त्री को हमारी तहजीब के मेरुदंड की तरह देखा था। उन्होंने महिलाओं को आरक्षण देने की पेशकश की, लेकिन राज्यसभा में बहुमत न होने से चौसठवां संविधान संशोधन पारित नहीं हो सका। बाद में 1993 में वह पारित हुआ। पितृसत्ता के गढ़ में एक तिहाई आरक्षण सुनिश्चित हुआ। वही बाद में अनेक राज्यों में पचास फीसदी में तब्दील हुआ। गांव और मोहल्लों में पितृसत्ता फलीभूत होती है, तब भी यह हो सका। यह करते समय पुरुषों की प्रधानता को ललकारा गया। आज सीट बढ़ाकर महिला आरक्षण करने की गरज दरअसल पुरुष प्रधानता को सुनिश्चित रखने की कवायद है, ताकि वह यथावत रहे। वरना महिला आरक्षण का परिसीमन से क्या वास्ता? मौजूदा 543 सदस्यों में एक तिहाई आरक्षण क्यों नहीं दिया जा सकता? इसमें अनुसूचित जाति – जनजाति की महिला के लिए तो स्थान सुनिश्चित होगा, मगर अनेक राज्यों ने पिछड़ा वर्ग का आरक्षण स्थानीय निकाय में निर्धारित किया है। पिछड़े वर्ग का आरक्षण भले ही विधानसभा, लोकसभा में न हो, परन्तु पिछड़ा वर्ग महिला आरक्षण जरूर होना चाहिए। आखिर कामगार समुदाय की महिलाओं के हाथ पूरी ग्रामीण व्यवस्था है। वह किसान है, खेत मजदूर है, कुम्हार है, पशुपालक है। तमाम निर्माण उसके हाथों होता है। मिस्त्री, बढ़ई, लुहारी कोई काम उससे नहीं छूटा। ये सारे पेशे जातिगत व्यवस्था में जातियों से भी जुड़े हैं। जैसे बाबा साहेब आम्बेडकर कहते थे कि काम नहीं, कामगार का बंटवारा होता है। वही संस्थागत जातिप्रथा है। यह आरक्षण सुनिश्चित किये बिना जो वंदन होगा वो केवल जातिगत प्रधानता को पुष्ट करने का माध्यम होगा हुक्मरान इस वंदन को श्लाडली बहनाश की तरह मेहरबानी में बदलना चाहते हैं। श्लाडली बहनाश को कुछ आर्थिक सहायता मिलती है, मगर उससे स्वावलम्बन और स्वाभिमान छिनता है। वो एक तरफ पितृसत्ता की वाहक बनाई जाती है, दूसरी तरफ मर्जी से विवाह नहीं कर सकती। उसके बचत के पैसे नोटबन्दी में उससे छीने गए। वो खिलाड़ी होते हुए यौन—शोषण के खिलाफ आवाज उठाती है तो आरोपी को माला पहनाकर स्थापित किया जाता है। उसे आस्था केंद्रों पर प्रवेश की अनुमति नहीं। वो संस्कृति के नाम पर वैवाहिक बलात्कार झेलती रहती है। पितृसत्ता ने ट्रांसजेंडर को तो न्यूनतम मानवीय हकद्ध से भी वंचित किया है, अपनी लैंगिक पहचान चुनने का हकद्ध। ऐसे में कैसा वंदन! वंदन केवल आज्ञाकारी का होगा। यदि असल में मौका देने की बात होती तो वो अभी से हो सकती थी। बिना स्थापित पुरुषों के भावी क्रंदन का संज्ञान लिए होती तो उसको क्रांतिकारी राजनीति कह सकते थे। यह बंदरबांट है। परिसीमन के नाम पर छोटे राज्यों की आवाज को जमींदोज नहीं किया जाना चाहिए। न ही भारत की संघीय व्यवस्था को चोट पहुंचनी चाहिए। वे राज्य बंधुता के चलते गरीबी से जूझते राज्यों को अपने हिस्से का प्रतिभाग देते आये हैं, देना भी चाहिए। आखिर संघीय व्यवस्था में हर राज्य की खास भूमिका है। बंधुता की नींव को हिलाना उचित नहीं। यदि राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी कम हो गया तो क्या न्याय रह जायेगा? श्महिला आरक्षणय को इस व्यापक मुद्दे का कवच न बनाया जाए।

डिजिटल भागीदारी से आकार ले रहा नवा छत्तीसगढ़

रमेश जायभाये

छत्तीसगढ़ के वनांचलों से लेकर शहरों की गलियों तक, अगले कुछ महीनों में एक बड़ा प्रशासनिक और तकनीकी बदलाव दस्तक देने वाला है। भारत की आगामी जनगणना 2027 केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं, बल्कि राज्य के भविष्य की योजनाओं का आधार स्तंभ बनने जा रही है। इस बार की जनगणना अपनी पारंपरिक पहचान को छोड़कर पूरी तरह डिजिटल अवतार में नजर आएगी, जिससे छत्तीसगढ़ के विकास को एक नई गति मिलने की उम्मीद है। पहली बार डिजिटल अवतार में जनगणना

अब वो दौर गया जब प्रगणक बड़े—बड़े रजिस्टर लेकर घर—घर पहुंचते थे। जनगणना 2027 देश की पहली कागज रहित या डिजिटल जनगणना होगी। छत्तीसगढ़ में इसके लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। प्रगणक अब हाथों में स्मार्टफोन और विशेष रूप से तैयार मोबाइल ऐप लेकर पहुंचेंगे। इस डिजिटल बदलाव का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि बस्तर के सुदूर गांवों से लेकर सरगुजा की पहाड़ियों तक का डेटा रियल—टाइम में सुरक्षित सर्वर पर अपलोड होगा, जिससे इंसानी गलतियों की गुंजाइश कम होगी और डेटा अधिक सटीक रूप में उपलब्ध होगा। छत्तीसगढ़ में दो चरणों का महाभियान राज्य में इस महाअभियान को दो प्रमुख हिस्सों में बांटा गया हैरू

मकानसूचीकरण इसकी शुरुआत 1 मई से 30 मई 2026 के बीच होगी। इससे पहले 16 अप्रैल से स्व—जनगणना की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जिसे नागरिकों से अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है। जनसंख्या गणनारू मुख्य जनगणना फरवरी 2027 में होगी, जिसे मार्च 2027 तक पूरा कर लिया जाएगा। स्व—जनगणना में बढ़ता उत्साहरू नागरिक बन रहे डिजिटल भागीदार इस बार की सबसे बड़ी खासियत स्व—जनगणना है। छत्तीसगढ़ में यह प्रक्रिया शुरू हुए आठ दिन से अधिक समय हो चुका है और लोगों में इसे लेकर उत्साह देखने को मिल रहा है। बड़ी संख्या में नागरिक ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण कर रहे हैं, अपनी जानकारी भर रहे हैं और सफलतापूर्वक फॉर्म सबमिट भी कर रहे हैं। ऑनलाइन फॉर्म भरने के बाद नागरिकों को एक श्एसई आईडीय प्राप्त होती है। जब प्रगणक घर पहुंचेगा, तो नागरिक केवल यह आईडी साझा कर सकते हैं, जिससे प्रक्रिया कुछ ही मिनटों में पूरी हो जाएगी। यह सुविधा पूरी तरह स्वैच्छिक है। जो लोग ऑनलाइन जानकारी दर्ज नहीं कर पाएंगे, उनके घर प्रगणक जाकर आवश्यक विवरण एकत्र करेंगे। 33 सवालों में छिपी है खुशहाली की चाबी

मकानसूचीकरण के दौरान प्रगणक आपसे 33 मुख्य सवाल पूछेंगे। ये सवाल केवल औपचारिकता नहीं हैं, बल्कि छत्तीसगढ़ की अगली पीढ़ी की जरूरतों को समझने का जरिया हैं। इसमें घर की बनावट, पीने के पानी का स्रोत, बिजली, शौचालय की सुविधा और परिवार के पास मौजूद संसाधनों (जैसे मोबाइल, इंटरनेट, वाहन) की जानकारी ली जाएगी। सरकार इन्हीं आंकड़ों के आधार पर तय करेगी कि प्रदेश के किन इलाकों में नए स्कूल, अस्पताल या सड़कों की जरूरत है। सुरक्षा और गोपनीयतारू आपका डेटा है अमानतय अक्सर लोगों के मन में डेटा की सुरक्षा को लेकर सवाल उठते हैं। लेकिन सरकार ने साफ किया है कि जनगणना अधिनियम, 1948 के तहत नागरिकों की जानकारी पूरी तरह गोपनीय है। इस डेटा का उपयोग किसी पुलिस जांच, इनकम टैक्स या अदालती कार्यवाही में नहीं किया जा सकता। यह केवल विकास की योजनाएं बनाने के लिए इस्तेमाल होगा। मैदान में तैनात 62 हजार श्विकास सारथीय छत्तीसगढ़ जैसे विशाल भौगोलिक क्षेत्र में इस कार्य को अंजाम देने के लिए एक बड़ी प्रशासनिक टीम तैयार की गई है। राज्य के 33 जिलों और 20 हजार गांवों में डेटा जुटाने के लिए लगभग 62,500 अधिकारियों—कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। इसमें 51,300 प्रगणक और 9,000 पर्यवेक्षक शामिल हैं, जिन्हें आधुनिक ऐप चलाने का विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। श्हमारी जनगणना – हमारा विकासय का संदेश यह बताता है कि यह डेटा आपके हक की लड़ाई लड़ने में मदद करता है। सटीक आंकड़ों से ही छत्तीसगढ़ को केंद्र से मिलने वाले बजट और संसाधनों का सही हिस्सा मिलता है। चाहे वह अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों के लिए विशेष योजनाएं हों या शहरी गरीबों के लिए आवास, सब कुछ इसी गणना पर निर्भर है।

देसी बीज, पशुपालन और जंगल बचाने का जतन

बाबा मायाराम

ग्रामीणों ने अपना बांज का जंगल बचाया है और उसी जंगल के जलस्रोत से वर्ष भर ठंडा पानी मिलता है। जड़धारी बताते हैं कि बांज का पेड़ न सिर्फ चारा, पत्ती व खाद का काम करता है बल्कि मिट्टी बांधने एवं जलस्रोतों की रक्षा भी अन्य पेड़ों के मुकाबले ज्यादा करता है। यहां की सामूहिकता और भाईचारे ने बीज, खेती, पशुपालन और जंगल बचाने का सराहनीय काम किया है। उत्तराखंड के सामाजिक कार्यकर्ता विजय जड़धारी देसी बीज बचाने के लिए जाने जाते हैं। मुझे उनसे कई बार मिलने, साथ में यात्रा करने और उनके साथ समय बिताने का मौका मिला है। कुछ साल पहले उनके गांव भी गया था। इस कॉलम में उनके बारे में बात करना चाहूंगा।जड़धारी जी न केवल खुद देसी बीजों की खेती करते हैं, बल्कि इसका प्रचार—प्रसार करते हैं। देसी बीजों की प्रदर्शनी लगाते हैं, बीजों का आदान—प्रदान करते हैं। किताबें लिखते हैं, जिससे देसी बीजों की खेती की ओर लोगों का रूझान बने। उनके काम का असर देश भर में देखा जा सकता है। देसी बीजों की खेती का चलन बढ़ रहा है। पिछले कई सालों से मुझे उनके साथ कई बार मिलने व साथ रहने का मौका मिला है। उनका देशी बीजों का काम तो प्रभावित करता ही है, बल्कि उनका जीवन भी आदर्श है। वे गांव में रहते हैं, खेती करते हैं, और उस पर सार्थक लेखन भी करते हैं।उन्होंने देसी बीज बचाने के साथ उनके गांव का जंगल भी हरा—भरा किया है। गांव के लोगों के सहयोग से सूखे और उजाड़ जंगल को फिर से पुनर्जीवित किया है। उनसे जब भी बात होती है, तब वे बताते हैं कि कई लोग इस जंगल को देखने आ रहे हैं। वनविभाग की कई टीमें भी उस जंगल को देखने आईं हैं और जंगल को फिर से हरा—भरा करने के काम को सराहा है। जड़धारी जी, जहां भी जाते हैं, उत्तराखंड के देसी बीजों को साथ लेकर जाते हैं। रंग—बिरंगे बीज न केवल आकर्षित करते हैं, बल्कि स्वाद में भी बेजोड़ हैं। इन पौष्टिक अनाजों को पर्यटक भी बहुत पसंद करते हैं। कई अनाजों को स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बेहतर माना जाता है। चिकित्सक भी इनको खाने के लिए कहते हैं।कुछ साल पहले जब मैं उनके गांव जड़धार गया था। यह टिहरी गढ़वाल जिले का गांव है। तराई में हेंवल नदी बड़े—बड़े पत्थरों के बीच से चमकती हुई बहती है। नदी इठलाती कूदती पहाड़ों के बीच अपना सौन्दर्य बिखेरते चलती है। हेंवल सरकण्डा से निकलती है और आगे चलते हुए गंगा में समाहित हो जाती है। हेंवल नदी के इलाके को यहां लोग हेंवलघाटी कहते हैं। जड़धारी जी का गांव हेंवल नदी के किनारे बसा है। गांव में मकान दूर—दूर बसे हैं। कुछ पहाड़ी पर तो कुछ तराई में। पहाड़ी पर बसे घर दूर—दूर हैं, इसका कारण समतल जमीन का नहीं होना है। जहां पर कुछ समतल जमीन मिली, वहीं पर घर बनाकर रहने लगे। तराई में घनी आबादी है।सत्तर के दशक के उत्तरार्ध में उत्तराखण्ड का यह क्षेत्र देश—दुनिया में इसलिए मशहूर हो गया जब यहां के लोग जंगल को कटने से बचाने के लिए पेड़ों से चिपक गए। इसे चिपको आंदोलन के नाम से जानते हैं। विजय जड़धारी, चिपको आन्दोलन के प्रमुख कार्यकर्ताओं में एक थे। इसके बाद उन्होंने जड़धार गांव का जंगल बचाने का जतन किया जिससे आज परम्परागत पानी के स्रोत सदानीरा हैं । वे बारहनाजा की मिश्रित खेती करते हैं। बारहनाजा का अर्थ है बारह अनाज। किन्तु इसमें अनाज ही नहीं, दलहन, तिलहन, शाक भाजी, मसाले व रेशा आदि भी शामिल हैं। बारहनाजा में 12 फसलें हों, यह जरूरी नहीं। इसमें 20 फसलें भी हो सकती हैं। उनके घर पूरी तरह अपने खेतों में उगाए गए अनाज से भोजन बनता है। झंगोरा का भात, बाजरा की घी चुपड़ी रोटी, राजमा, मीठा करेले की सब्जी का स्वाद ही अलग था। तीन दिन मैं उनके घर ठहरा था। पूरी तरह देसी पौष्टिक अनाजों का भोजन किया, यह सदैव ही याद रहता है। जड़धारी बताते हैं कि यहां हर से कोई—न—कोई एक नौकरी में है। लेकिन इससे खेती के प्रति लोगों का मोह कम नहीं हुआ। जो लोग घर में हैं, वे मेहनत से पीछे नहीं हटते। मुझे याद आ रहा है कि वे मुझे एक घर ले गए थे, उस घर के लड़के की हाल में ही शादी हुई थी। वह लड़का कनाडा में पहले होटल व्यवसाय से जुड़ा था। बाद में किसी फैक्ट्री में काम कर रहा है। अच्छा पैसा भी कमाता है। उसकी बहू इसी गांव की थी। वह अच्छी पढ़ी—लिखी थी। लेकिन मोबाइल को घर रखकर घास काटने जाती है। खेतों में मेहनत करती है। इसी प्रकार, जड़धारी जी मुझे पटुडी गांव ले गए। इस गांव में बीज बचाने का अच्छा काम हुआ है। इस काम में महिलाओं की प्रमुख भूमिका है क्योंकि खेती का अधिकांश काम महिलाएं ही करती हैं। वे हल चलाने को छोड़कर खेती के हर काम करती हैं। फिर भी महिलाओं के काम की मान्यता नहीं है। बीज भंडारण, बुआई, निंदाई, गुड़ाई, व बीज संकलन आदि का महत्वपूर्ण कार्य महिलाएं ही करती हैं। यहां उस दिन बीज बचाओ आंदोलन की बैठक भी थी। और सभी गांव की महिलाएं उनके घरों से एक—एक मुट्ठी बीज लेकर आई थी। ऐसी बैठकों में बीजों का आदान—प्रदान होता है। जो भी बीज यहां से लेकर जाती हैं, अगले साल वापस करती हैं, और दूसरे पड़ोसियों को भी बीज उपलब्ध करवाती हैं। पहाड़ों में पशुपालन भी बड़ा आजीविका का स्रोत है। यहां के बाशिंदे भी भैंसें पालते हैं। पहले गायें भी पालते थे तब जंगल ज्यादा था। और उस समय बच्चों को पढ़ाने का चलन नहीं था, तब वे पशु चराने का काम करते थे लेकिन अब सब बच्चे पढ़ना चाहते हैं। इसलिए इसमें थोड़ी कमी आ रही है। इस गांव के लोगों ने जल, जंगल और जमीन जैसे प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग किया है और इसी से इसकी पहचान स्वावलंबी और आदर्श गांव के रूप में की जाती है। बारहनाजा की मिश्रित फसलें, गांव में साफ—सफाई व पानी का प्रबंधन, जंगल की रखवाली और खेतों की जंगली जानवरों से सुरक्षा गांव वाले मिलकर करते हैं। ग्रामीणों ने अपना बांज का जंगल बचाया है और उसी जंगल के जलस्रोत से वर्ष भर ठंडा पानी मिलता है। जड़धारी बताते हैं कि बांज का पेड़ न सिर्फ चारा, पत्ती व खाद का काम करता है बल्कि मिट्टी बांधने एवं जलस्रोतों की रक्षा भी अन्य पेड़ों के मुकाबले ज्यादा करता है। कुल मिलाकर, यह कहा जा सकता है यहां की सामूहिकता और भाईचारे ने बीज, खेती, पशुपालन और जंगल बचाने का सराहनीय काम किया है जो यहां गांव में टिके रहने के लिए जरूरी है। यह ऐसे समय और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, जब आज खेती में ठहराव आ गया है, इसलिए देसी बीजों की खेती के साथ पशुपालन और जंगल बचाना बहुत ही जरूरी है।

अयोध्या डिपो से इलेक्ट्रिक एसी बसों का संचालन शुरू – आदित्य प्रकाश

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या ।इस प्रचंड गर्मी मे अयोध्या आने और यहां से अपने अपने गंतव्य स्थानों तक जाने वाले बस यात्रियों को गर्मी से राहत दिलाने के लिए रामनगरी से कानपुर वाराणसी प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्गों पर पर्याप्त संख्या मे इलेक्ट्रिक एसी बसे का संचालन शुरु हो गया ।देखा जाये इससे पहले तीन दर्जन से अधिक एसी बसें व आधा दर्जन से अधिक जनरथ तो

कुछ इलेक्ट्रिक तथा और अन्य आयशर एसी बसें इन रुटों पर चल रही है ।इस बात की जानकारी सहायक प्रबंधक रोडवेज अयोध्या डिपो आदित्य प्रकाश ने दिया उन्होंने बताया कि अयोध्या में जब से राम मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ है और राम प्रतिष्ठा होने के बाद श्रद्धालुओं की आवागमन में काफी बढ़ोतरी हुई है ।उनकी सुविधाओं को देखते हुए खासकर कानपुर वाराणसी और प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्गों पर एसी बसों के संचालन में बढ़ोतरी की गई है ।उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में 8 जनरथ बसें प्रयागराज और बनारस मार्ग पर संचालित हैं जबकि 11 आयशर एसी बसें जिनमें तीन कानपुर चार–चार बसें वाराणसी और प्रयागराज राजमार्ग पर चल रही है ।देखा जाए तो इसी तरह 20 इलेक्ट्रॉनिक एसी बसों में से 8 बसे प्रयागराज लखनऊ तथा गोंडा राजमार्ग पर भी चलाई जा रही हैं जिससे कि अयोध्या जनपद आने और यहां से जाने वाले बस यात्रियों को इस गर्मी में ठंड से निजात मिल सके।

रुदौली पुलिस ने लूट तथा टप्पे बाजी करने वाले दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

अयोध्या ।रुदौली पुलिस ने हाईवे पर राहगीरों से टप्पेबाजी कर उनसे लूटपाट करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया इसके साथ ही साथ लूट के सभी सामान बरामद किया। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुदौली संजय मौर्य ने बताया कि 12 फरवरी को थाना क्षेत्र के ग्राम

कूढ़ासादात के पास पीड़िता के साथ लूट की घटना किया गया था ।वही 25 फरवरी को इसी थाना क्षेत्र के ग्राम रहीमगंज धौरहरा के पास भी इस तरह की घटना घटी। बताया कि इस घटना में शामिल गुफरान उर्फ मोनू पुत्र इबलाक उर्फ बिल्ला निवासी ग्राम भेलसर थाना को0 रूदौली व अक्लीम पुत्र इबलाक उर्फ बिल्ला निवासी ग्राम भेलसर थाना को0 रूदौली को गिरफ्तार किया गया ।बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी हिस्ट्रीशीटर हैं। इस सफलता में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रुदौली संजय मौर्य के अलावा चौकी प्रभारी भेलसर युवराज सिंह, चौकी प्रभारी सूजागंज अभिषेक सिंह के अलावा अन्य पुलिसकर्मियों की सराहनीय भूमिका रही।

शिक्षकों की मांग पूरी होने तक संघर्ष का ऐलान जन आंदोलन बनेगा 2 मई का धरना – आलोक तिवारी

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या ।आगामी 2 मई 2026 दिन शनिवार को संगठन के केन्द्रीय नेतृत्व के आह्वान पर जनपद स्तरीय एवं प्रदेश स्तरीय शिक्षक समस्याओं को लेकर एक दिवसीय धरने का आयोजन करेगा। इस बात की जानकारी देते हुए माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री आलोक तिवारी ने बताया कि

जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय जनपद अयोध्या पर होना सुनिश्चित हुआ है ।जिसमें जनपद स्तर की समस्याओं के तत्काल निस्तारण के साथ प्रदेशीय समस्याओं को लेकर एक ज्ञापन मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन को जिला विद्यालय निरीक्षक के माध्यम से प्रेषित किया जाना है ।धरने में जिला कार्यकारिणी, सक्रिय सदस्यों के साथ संघनिष्ठ साथियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है'उपरोक्त बातें जिला संगठन के जिला मंत्री आलोक तिवारी ने कहा धरने की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राकेश पांडे तथा मुख्य वक्ता शिक्षक विधायक नेता शिक्षक दल धूप कुमार त्रिपाठी जी होंगे।

मेगा रोजगार मेले में शामिल हुए मंत्री सुनील कुमार शर्मा, युवाओं से किया संवाद

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने आज गाजियाबाद स्थित एक विश्वविद्यालय में आयोजित मेगा रोजगार मेला–2026 में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने बड़ी संख्या में उपस्थित युवाओं से संवाद किया ।कार्यक्रम के दौरान कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने तथा युवाओं को सशक्त बनाने के इस महत्वपूर्ण प्रयास के लिए आयोजकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं और उनकी प्रतिभा को उचित दिशा देते हैं ।उन्होंने कहा कि ऐसे रोजगार मेले युवाओं को अपनी योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होते हैं। प्रदेश सरकार युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से कौशल विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस अवसर पर पूर्व राज्यसभा सांसद एवं विश्वविद्यालय के कुलपति अनिल अग्रवाल की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने सहभागिता की और रोजगार के अवसरों की जानकारी प्राप्त की।

हज–2026 के अंतर्गत तीसरी उड़ान से 428 हज यात्री रवाना

लखनऊ, (संवाददाता) ।अंतर्गत हज यात्रियों के प्रस्थान का क्रम सुचारु रूप से जारी है। इसी क्रम में लखनऊ उड़ान स्थल से तीसरी उड़ान संख्या एक्स–वाई–8086 दिनांक 24 अप्रैल 2026 को रवाना हुई, जिसमें कुल 428 हज यात्री सऊदी अरब के लिए प्रस्थान कर गए। इन यात्रियों में 223 पुरुष एवं 205 महिलाएं शामिल हैं ।इस उड़ान में प्रदेश के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में हज यात्री सम्मिलित हुए, जिनमें सर्वाधिक लखनऊ से 65, बरेली से 55, कानपुर नगर से 44 तथा बाराबंकी से 41 यात्री शामिल हैं। इसके अतिरिक्त बिहार राज्य के 4 हज यात्रियों सहित अन्य राज्यों दिल्ली एवं मध्य प्रदेश से भी यात्री इसी उड़ान से रवाना हुए ।हज यात्रियों की यात्रा को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन द्वारा विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।

तेज रफ्तार ट्रक ने ऑटो को मारी टक्कर, 3 की मौत, 3 गंभीर घायल

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में मुंगराबादशाहपुर थाना अंतर्गत सोमवार सुबह एक भीषण सड़क हादसे ने इलाके को दहला दिया। जौनपुर रायबरेली हाईवे पर सतहरिया के आगे पुलिया के पास सुबह करीब 6 बजे सवारियों से भरा एक ऑटो रिक्शा तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और वह सड़क किनारे खाई में पलट गया। हादसे के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर मौके से फरार हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, एक ऑटो मुंगरा बादशाहपुर सवारियां लेकर आ रहा था। जैसे ही वह सतहरिया पुलिया के पास पहुंचा, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई ।स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंचे थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार दुबे और सतहरिया चौकी इंचार्ज धनंजय राय ने पुलिस बल के साथ राहत कार्य शुरू किया। किसी तरह ऑटो में फंसे सभी यात्रियों को बाहर निकालकर एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतहरिया भेजा गया ।चिकित्सकों ने छह घायलों में से तीन को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान प्रमोद कुमार मिश्र (53) निवासी सोहसा, थाना मुंगरा बादशाहपुर, शिव शंकर शर्मा (53) निवासी धौरहरा, थाना मुंगरा बादशाहपुर और बरसाती (42) निवासी गंगापुर, थाना मछलीशहर के रूप में हुई है। वहीं, राकेश बिंद (32) निवासी नंदापुर, मछलीशहर , प्रणव पाण्डेय (19) निवासी धौरहरा मुंगरा बादशाहपुर और अजीत यादव (36) निवासी कटाहित खास, मछलीशहर गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने प्रणव पाण्डेय और अजीत यादव की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें वाराणसी रेफर किया गया है। हादसे की खबर मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया, जबकि घायलों के परिजन अस्पताल में इलाज करवा रहे हैं ।पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है। इस मामले में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार दुबे ने बताया कि हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है और घायलों का इलाज जारी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही आरोपी ट्रक चालक को पकड़ लिया जाएगा।

19 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित उत्तर प्रदेश होमगार्ड इनरोलमेंट परीक्षा 2025 शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर ।जनपद के 19 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित उत्तर प्रदेश होमगार्ड इनरोलमेंट परीक्षा 2025 शांतिपूर्ण, निष्पक्ष, शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न हुई। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र द्वारा उत्तर प्रदेश होमगार्ड इनरोलमेंट परीक्षा–2025 के तीसरे और अंतिम दिन द्वितीय पाली की परीक्षा के दौरान टीडी कॉलेज परीक्षा केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गय जिलाधिकारी ने गर्मी के दृष्टिगत परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए पर्याप्त गुड़ और पेयजल की व्यवस्था, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता के संबंध में जानकारी ली। साथ ही सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता एवं परीक्षा की पारदर्शिता बनाए रखने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश भी दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ पेयजल और गुड़ उपलब्ध रहे। इस दौरान उन्होंने प्रधानाचार्य को गुड़ भेंट किया तथा इसका परीक्षार्थियों में वितरण कराने के निर्देश दिए गए। इस दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में गर्मी के दृष्टिगत सभी परीक्षा केंद्रों पर विशेष व्यवस्थाएं की गई, जिससे किसी भी परीक्षार्थी को असुविधा का सामना न करना पड़े। परीक्षा केंद्रों के अंदर गुड़ और पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था की गई है, इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों के बाहर अभिभावकों के लिए भी गुड़ और पेयजल की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुचारु रूप से संपन्न कराने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। यह परीक्षा तीन दिवसों में 25, 26 तथा 27 अप्रैल को प्रति दिवस दो पालियों में आयोजित हुई। प्रथम पाली की परीक्षा पूर्वाह्न 10रू00 से मध्याह्न 12:00 बजे तक तथा द्वितीय पाली की परीक्षा अपराह्न 3रू00 से 5रू00 बजे तक आयोजित हुई। परीक्षा के निष्पक्ष, पारदर्शी और शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराए जाने हेतु 19 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 19 स्टेटिक मजिस्ट्रेट, 19 केंद्र व्यवस्थापक, 06 जोनल मजिस्ट्रेट तथा लगभग 750 कक्ष निरीक्षक नामित किए गए थे। परीक्षा के अंतिम दिन प्रथम पाली की परीक्षा के दौरान 8400 में 6399 परीक्षार्थी तथा द्वितीय पाली की परीक्षा के दौरान 8400 में 6500 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। तीनों दिन की परीक्षा के दौरान 50400 परीक्षार्थियों में 38774 यानी लगभग 76.93 प्रतिशत परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। तीनों दिन के परीक्षा के दौरान जिलाधिकारी द्वारा स्वयं भी तथा नामित अधिकारियों द्वारा परीक्षा केंद्रों पर सतत भ्रमणशील रहते हुए निगरानी की गई।

संस्कृति और आधुनिकता का संगम जेवर एयरपोर्ट, गंगा तट की स्मृतियां

लखनऊ, (संवाददाता)। पहली बार जब मैं नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के मुख्य प्रवेश द्वार के सामने पहुंचा, तो यह किसी आध्यात्मिक यात्रा के आरंभ होने जैसा था। पत्थर की नक्काशी, वाराणसी और हरिद्वार के गंगा तट की स्मृतियां और ब्रज की सांस्कृतिक धड़कन एक साथ जीवंत हो उठीं। ऐसा लगा जैसे ब्रज की छांव से होते हुए किसी आधुनिक दुनिया में प्रवेश की यात्रा है। छत की लहरदार बनावट, जो नदियों की गति से प्रेरित है। जैसे ही सुरक्षा जांच के बाद खुला आंगन (ओपन–एयर कोर्टयार्ड) आता है, वहां की ताजी हवा में बैठकर कुछ देर रुकने का मन अपने आप हो जाता है। सब कुछ इतना सहज है कि तकनीक दिखती नहीं, बस काम करती है। डिजीयात्रा के जरिये बिना कागज के प्रवेश, सेल्फ–बैगेज ड्रॉप मशीनें, तेज सिक्योरिटी लेन. . यानी आप चलते रहते हैं और सिस्टम आपके साथ चलता है। 48 चेक–इन काउंटर, 20 सेल्फ बैगेज ड्रॉप, 9 सिक्योरिटी लेन, ये आंकड़े कागज पर बड़े लगते हैं, लेकिन असल में यह सब भीड़ महसूस ही नहीं होने देते। एयरपोर्ट के अंदर पद्मश्री परेश मैती की इंस्टॉलेशनशमिस्टिक एबॉड के सामने खड़े होकर ऐसा लगता है जैसे हजारों घंटियों की अनसुनी ध्वनि भीतर तक गूंज रही हो। यह सिर्फ देखने की चीज नहीं, महसूस करने की है। उनकी पेंटिंग जागृति के छह पैनल... काशी, सारनाथ स्तूप, ताज महल, मथुरा–वृंदावन, अयोध्या और महाकुंभ... भारत की आत्मा को एक ही फ्रेम में समेट देते हैं। जब आप रनवे के पास खड़े होकर उस 3,900 मीटर लंबे ट्रैक को देखते हैं, तो समझ आता है कि यह सिर्फ विमान उतरने की जगह नहीं, बल्कि उत्तर भारत की नई उड़ान का प्रतीक है।

भातखंडे विवि की कार्यशाला में सीखिए गजल गायिकी के भी गुर

लखनऊ, (संवाददाता)। भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय में अगले माह से शुरू होने जा रही प्रस्तुतिपरक ग्रीष्मकालीन कार्यशाला में पहली बार गजल गायिकी के गुर भी सिखाए जाएंगे। इससे पहले गायन, वादन और नृत्य की विधाओं में गजल को शामिल नहीं किया गया था। कार्यशाला की अवधि एक माह की होगी और इसकी शुरुआत 26 मई से होगी। भातखंडे संस्कृति विवि की कुलपति प्रो. मांडवी सिंह ने बताया कि पहली बार विवि की कार्यशाला में गजल गायिकी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। शुल्क पिछले वर्ष की तरह दो हजार रुपये ही रखा गया है। कुलसचिव डॉ. सृष्टि धवन ने बताया कि 26 मई से 25 जून तक होने वाली कार्यशाला में सुबह नौ से 10 बजे तक और 10 से 11 बजे तक शास्त्रीय गायन, सुगम संगीत, लोकगीत, तबला, पखावज, ढोलक, सितार, वायलिन, गिटार (वेस्टर्न), बांसुरी, हारमोनियम, कीबोर्ड, कथक नृत्य, भरतनाट्यम, लोकनृत्य, सारंगी, सरोद, पेंटिंग एवं क्ले मॉडलिंग का प्रशिक्षण दिया जाएगा। दिव्यांग और ऑटिस्टिक बच्चों के लिए शास्त्रीय गायन की विशेष कार्यशाला होगी। प्रवेश के लिए एक मई से 20 मई तक ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन कार्यालय दिवस में सुबह 11 से शाम पांच बजे तक वितरित व जमा किए जाएंगे। पंडित बिरजू महाराज कथक संस्थान में 14 मई से 14 जून तक कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा जिसमें कथक नृत्य का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

थ्रेशर हादसे में मृतक के परिवार को 5 लाख की सहायता, एक सप्ताह में कई योजनाओं का लाभ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर स्थित मड़ियाहूं तहसील के ग्राम भदराव निवासी मुलायम बनवासी की थ्रेशर दुर्घटना में हुई मृत्यु के बाद जिला प्रशासन ने त्वरित संवेदनशीलता दिखाते हुए उनके परिवार को राहत प्रदान की है। सोमवार को जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र सिंह ने परिजनों को जिलाधिकारी कार्यालय में 5 लाख रूपए की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया ।यह हादसा एक सप्ताह पूर्व गेहूं मड़ाई के दौरान हुआ था, जब थ्रेशर मशीन में फंसे रक्षा धागे के कारण उनका हाथ मशीन में चला गया और उनकी मृत्यु हो गई। जनसुनवाई के दौरान इस घटना की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने तत्काल संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रशासन की सक्रियता के चलते महज एक सप्ताह के भीतर ही मृतक की पत्नी पूजा को कृषक दुर्घटना बीमा योजना के तहत 5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इसके अलावा परिवार को आवास योजना का स्वीकृति पत्र, कृषि पट्टा, निराश्रित महिला पेंशन योजना का लाभ तथा अंत्योदय राशन कार्ड भी उपलब्ध कराया गया है। पारिवारिक लाभ योजना के लिए आवेदन कराया गया है, जबकि आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र भी जारी कर दिए गए हैं। सोमवार को जानकारी देते हुए जिलाधिकारी ने बताया कि परिवार को राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना, बाल सेवा योजना समेत अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

यूपी होमगार्ड्स परीक्षा का आज अंतिम दिन, 19 केंद्रों पर 16,800 अभ्यर्थी शामिल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में उत्तर प्रदेश होमगार्ड्स के पदों के लिए आयोजित लिखित परीक्षा सोमवार को तीसरे और अंतिम दिन शुरू हो गई। जनपद के 19 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित इस परीक्षा में दोनों पालियों को मिलाकर कुल 16,800 अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। प्रशासन द्वारा नकल विहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। परीक्षा दो पालियों में आयोजित की जा रही है। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगी। प्रत्येक पाली में 8,400 अभ्यर्थी परीक्षा दे रहे हैं। सुरक्षा व्यवस्था के तहत सभी केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने बताया कि अभ्यर्थियों को बायोमेट्रिक जांच और फ्रिस्किंग के बाद ही परीक्षा केंद्र में प्रवेश दिया जा रहा है। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रखे गए हैं और तीन स्तरीय सघन चेकिंग के बाद ही परीक्षार्थियों को अंदर जाने की अनुमति दी जा रही है।

नकल रोकने के लिए प्रत्येक केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, जोनल मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक और बाह्य परीक्षा सहायकों की तैनाती की गई है। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला स्तर पर अधिकारियों को आरक्षित रखा गया है। परीक्षा में मुख्य रूप से स्नातक और उच्च शिक्षा प्राप्त अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं, जिनमें 21 वर्ष से अधिक आयु के उम्मीदवारों की संख्या अधिक है। प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिकाएं कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सभी केंद्रों तक पहुंचाई गई हैं। जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र ने मुख्य चिकित्साधिकारी और केंद्र व्यवस्थापकों को गर्मी को देखते हुए परीक्षार्थियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए थे। इसके तहत सभी परीक्षा केंद्रों पर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, ताकि दूर–दराज से आने वाले अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

लगातार तीन दिन चलने वाली होमगार्ड भर्ती परीक्षा 25 लाख अभ्यर्थी लेंगे हिस्सा प्रदेश में अलर्ट

लखनऊ, (संवाददाता)। होमगार्ड के करीब 42 हजार पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन शनिवार से होगा। सोमवार तक यह परीक्षा रोजाना दो पालियों में सुबह 10 से 12 और शाम 3 से 5 बजे तक आयोजित होगी। इसमें करीब 25 लाख अभ्यर्थी हिस्सा लेंगे। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने परीक्षा को निष्पक्ष एवं शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए पुख्ता बंदोबस्त किए हैं। परीक्षा के दौरान तीन दिन तक प्रदेश पुलिस अलर्ट पर रहेगी। शनिवार की परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी परीक्षा केंद्रों तक आने शुरू हो गए हैं। भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष एसबी शिरडकर ने बताया कि श्रावस्ती को छोड़कर अन्य सभी जिलों में एक हजार से अधिक परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। परीक्षा के सकुशल आयोजन के लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती की गई है, जिनकी देखरेख में प्रश्नपत्र जिलों के स्ट्रॉन्ग रूम में कड़ी सुरक्षा में पहुंच चुके हैं। परीक्षा के दौरान सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त रहेंगे। सभी जिलों के पुलिस प्रभारियों को इस बाबत पूर्व में निर्देश दिए जा चुके हैं। परीक्षा में सेंध लगाने का प्रयास करने वालों पर कई एजेंसियां पैनी नजर रख रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर परीक्षा से संबंधित जानकारी आदि का प्रचार–प्रसार करने वालों को सख्त कानूनी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। वहीं सीएम योगी ने भी बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये सभी वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ होमगार्ड भर्ती की लिखित परीक्षा की समीक्षा करने के साथ आवश्यक दिशा–निर्देश दिए थे। उत्तर प्रदेश होमगार्ड परीक्षा को दृष्टिगत रखते हुए उत्तर रेलवे प्रशासन ने चार स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इससे परीक्षार्थियों को आने–जाने में राहत होगी। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि 25, 26, 27 अप्रैल को उप्र होमगार्ड परीक्षा होनी है। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए चार परीक्षा स्पेशल ट्रेनें चलेंगी। 04220 लखनऊ जंक्शन जौनपुर परीक्षा स्पेशल शाम 6:20 बजे चलकर बाराबंकी, रुदौली, अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम, अकबरपुर, शाहगंज से होते हुए जौनपुर पहुंचेगी। 04222 लखनऊ जंक्शन प्रयाग परीक्षा स्पेशल शाम 5:30 बजे चलकर निहालगढ़, सुल्तानपुर, मां बेल्हादेवी धाम प्रतापगढ़ जंक्शन व फाफामऊ से होते हुए प्रयाग पहुंचेगी। 04223 वाराणसी मऊ परीक्षा स्पेशल शाम छह बजे चलकर जौनपुर, औड़िहार से होते हुए मऊ जाएगी।

प्रतिस्पर्धी युग में सफलता के लिए स्किल जरूरी

गोरखपुर, (संवाददाता)। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के 400 विद्यार्थियों के कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम 'सक्षम' का शुक्रवार को शुभारंभ हो गया। यह योजना हिंदुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड (एचयूआरएल) की ओर से राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही है। गोकुल अतिथि भवन में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी समय में सफलता के लिए स्किल जरूरी है। विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं रखना चाहता बल्कि उन्हें व्यावहारिक दक्षता से भी सशक्त बनाना प्राथमिकता है। प्रोजेक्ट 'सक्षम' विद्यार्थियों की आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रभावी पहल साबित होगा। मुख्य अतिथि एचयूआरएल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ. सिबा प्रसाद मोहंती ने कहा कि इस प्रकार की पहलें युवाओं को इंडस्ट्री की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करती हैं और उनके लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करती हैं। एनएसडीसी के डीजीएम (सीएसआर) शांतनु घोष ने इस पहल को युवाओं के सशक्तीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अजय कुमार शुक्ल ने कहा कि यह योजना विद्यार्थियों के कॅरिअर निर्माण में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

जनता दर्शन में डीएम ने शिकायत सुन निराकरण के लिए अधिकारियों को दिये निर्देश

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।डीएम शशांक त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट परिसर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान आमजन की समस्याएं सुनीं।इस दौरान खसरा–खतौनी में नाम त्रुटि, भूमि विवाद, जल निकासी,आपसी मारपीट, रसोई गैस, सड़क,पेयजल सहित विभिन्न प्रकार की शिकायतें प्राप्त हुईं।जिसको लेकर डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।उन्होंने अधिशासी अभियंता, निर्माण खण्ड को निर्देश दिया कि जहां भी सड़कों की स्थिति खराब है, उनकी तत्काल मरम्मत कराई जाए। जनता दर्शन में उन्होंने डीसी मनरेगा को निर्देशित किया कि तालाबों में पानी भरवाया जाए, ताकि गर्मी के मौसम में पशुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिया गया कि सभी लाभार्थियों को समय से गैस सिलेंडर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।इसके अतिरिक्त, जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया गया कि आश्रम पद्धति विद्यालयों का संचालन नियमित रूप से हो तथा वहां भोजन की गुणवत्ता और आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं।जिलाधिकारी ने कहा कि जन शिकायतों का निस्तारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

बिल का विरोध करके विपक्ष ने उजागर किया अपना असली चेहरा - प्रभारी मंत्री

अयोध्या।सर्किट हाउस सभागार में भाजपा ने महिला सम्मेलन का आयोजन किया।सम्मेलन के बाद विपक्ष पर महिला विरोधी होने का आरोप लगाते हुए पुतला दहन किया गया।बस अड्डे पर हुए विपक्ष के पुतला दहन कार्यक्रम का नेतृत्व प्रबुद्ध वर्ग की महिलाओं ने किया। हाथों में तिरंगा लिए बड़ी संख्या में महिलाओं ने विपक्ष के खिलाफ जोरदार नारेबाजी कर अपना आक्रोश व्यक्त किया।सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि नारी वंदन अधिनियम की रुप रेखा तय करने वाले बिल का विरोध कर विपक्ष ने अपना असली चेहरा उजागर कर दिया है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस और डीएमके ने 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के रास्ते में बाधा डालकर आधी आबादी के साथ विश्वासघात किया है। यह केवल राजनीतिक विरोध नहीं, बल्कि महिलाओं के अधिकारों और सम्मान के खिलाफ सोच का परिचायक है।उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते" का भाव निहित है, जहां महिलाओं को सर्वोच्च सम्मान दिया गया है, लेकिन विपक्ष इस परंपरा के विपरीत जाकर महिलाओं के अधिकारों का विरोध कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि संसद में धार्मिक आधार पर आरक्षण की बात उठाकर विपक्ष ने देश में भ्रम फैलाने का प्रयास किया।सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि वर्ष 2026 की जनगणना और परिसीमन के बाद 2029 के चुनाव में महिला आरक्षण लागू किया जाएगा,जिससे महिलाओं को व्यापक राजनीतिक भागीदारी मिलेगी। सरकार महिलाओं के अधिकारों के लिए संकल्प बद्ध है।कहा कि आज देश भर की महिलाएं इस मुद्दे पर आक्रोशित हैं और लोकतांत्रिक तरीके से सड़कों पर उतरकर विरोध दर्ज करा रही हैं। सम्मेलन की विशिष्ट अतिथि अंजू पाण्डेय ने कहा कि जिस तरह महिलाओं का अपमान करने से रावण व कौरवों के वंश का समूल नाश हुआ था ठीक उसी प्रकार से देश की आधी आबादी सपा, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके को समाप्त करने का काम करेगी। वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सईदा रिजवी ने कहा कि विपक्ष का नकारात्मक रवैया उसकी संकीर्ण मानसिकता को दर्शाता है, जबकि केंद्र सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए ऐतिहासिक कार्य कर रही है। जनआक्रोश यात्रा का संयोजन मंडल अध्यक्ष रवि सोनकर ने किया।मौके पर विधायक चन्द्र भानु पासवान, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, जिलाध्यक्ष राधेश्याम त्यागी, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, अशोका द्विवेदी, रीना द्विवेदी, सरोज मिश्र, आशा गौड, शकुंतला त्रिपाठी, स्वाती सिंह, सुमन पासवान, जिपंस कंचन पासवान, ममता श्रीवास्तव, नीता शर्मा सहित बडी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

ससुर ने बहू पर प्रताड़ित करने का लगाया आरोप

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।थाना हैदरगंज मे ससुर ने बहु पर मायके वालों के साथ मिलकर ससुराली जनो के उत्पीड़न करने के साथ गंभीर आरोप लगाया है।साथ ही मोबाइल फोन पर उत्पीड़नात्मक मैसेज करते हुए नंद को अपशब्द कहने का आरोप लगाया।वही पैदा हुए बच्चे को पति को न देकर मामा को देने जैसे आरोप लगाते हुए ससुर ने शिकायत पुलिस महानिदेशक उच्च अधिकारियों से की है।साथ में कार्यवाही न होने पर अमरण अनशन करने की भी धमकी दी है।बताते चले कि थाना क्षेत्र हैदरगंज निवासी अकारी खपड़ाडीह राजेंद्र अवध मानवाधिकार संचालन उत्तर प्रदेश के महासचिव ने पंजीकृत डाक व ऑनलाइन पुलिस अधिकारी को शिकायत करते हुए आरोप लगाया है कि उनके बेटे अभिसार की पत्नी जिनका मायका थाना क्षेत्र महाराजगंज के एक गांव में है।वह अपने मां और भाई के सहयोग से हमारे परिवारी जनों का आर्थिक शोषण के साथ तरह तरह के उत्पीड़न रही है।आरोप है कि मोबाइल फोन पर वह विभिन्न उत्पीड़नात्मक मैसेजों को भेजा रही है ।यहां तक कि मेरी बेटी को सूर्पनखा भी लिखा है।यही नहीं गर्भवती होने की दशा में मायके चली गई।और जहां चिकित्सालय में उसके बच्चा पैदा हुआ।जानकारी मिलने पर मेरा पुत्र अपने बच्चें को देखने गया तो मा, बेटी ने कहा यह बच्चा तुम्हारा नहीं है।इसे मामा को दूंगी।इन्हीं सब बातों को लेकर बहू की मां और उसके मामा तरह–तरह की धमकियां दे रहे हैं। इसे पूरा परिवार परेशान है।जिसके चलते इसकी लिखित शिकायत करके कार्यवाही की मांग की है।इस संबंध में थानाध्यक्ष हैदरगंज के इंस्पेक्टर संतोष कुमार ने बताया कि प्रकरण संज्ञान में है जिसकी जांच कार्यवाही चौकी प्रभारी विसुन बाबा श्रीपति मौर्या कर रहे हैं।

जिला टॉप की सूची में पांचवा स्थान पाने वाले मेधावी छात्र का हुआ सम्मान

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।विकासखंड पूरा बाजार ग्राम पंचायत ऐमी आलापुर मजरे करौंदी के छात्र यूपी बोर्ड परीक्षा 12वीं के छात्र सत्यम कुमार निषाद पुत्र तुलसीराम निषाद ने जिले की वरीयता सूची में 5 वां स्थान प्राप्त किया।शिवकली देवी इंटर कॉलेज सुबटहा रसूलाबाद से जिसमें 453ध 500 अंक 90.60ः प्राप्त किया।जबकि सन 2024 में हाई स्कूल में हाई स्कूल 2024 में भी टॉप 10 की सूची में शामिल रहा।वीआईपी पार्टी जिलाध्यक्ष जशपाल निषाद ने सत्यम कुमार निषाद को इस शानदार सफलता के लिए उनके माता पिता को हार्दिक बधाई एवं बेटे के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।आपकी यह उपलब्धि समाज, क्षेत्र और आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है।शिक्षित बनो सफलता और सपने साकार करो यही कामना है।जशपाल निषाद ने बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की छाया भेंट की साथ ही सत्यम कुमार निषाद को माला पहनाकर लोगों ने बधाइयां दी। इस मौके पर राम निहाल निषाद,नाथ निषाद,निषाद जयंती अध्यक्ष राम दुलारे निषाद,मास्टर कृष्ण चंद निषाद, लालमणी निषाद, छोटे भाई संजय निषाद,राम सूरत निषाद, पूर्व जिलापंचायत सदस्य राम अजोर निषाद तथा उनके परिजनों व गांव के अन्य लोग उपस्थिति रहे।

होमगार्ड भर्ती परीक्षा के अंतिम दिन दोनों पालियों में 1563 अभ्यार्थी रहे अनुपस्थित

अयोध्या। सोमवार को अंतिम दिन होमगार्ड भर्ती परीक्षा 10 परीक्षा केंद्रों पर दोनों पालियों पालियों में शांति ढंग से संपन्न हुई।अंतिम दिन दोनों पालियों में कुल 1563 अभ्यार्थी अनुपस्थित रहे। बताते चले सोमवार को अंतिम दिन प्रथम पाली में 4032 अभ्यर्थियों में से 3245 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए जबकि 787 अभ्यार्थी अनुपस्थित रहे।जबकि दूसरी पाली में 4032 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 3256 अभ्यर्थी ही परीक्षा में शामिल हुए और 776 अभ्यर्थी परीक्षा मे अनुपस्थित रहे।मालूम हो कि होमगार्ड की परीक्षा 25 अप्रैल 26 अप्रैल व 27 अप्रैल को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 10 परीक्षा केंद्रों पर छः पालियों में सम्पन्न हुई।परीक्षा को सकुशल संपन्न करने के लिए सभी केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी मौजूद रहे।वही सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की व्यवस्था की गई है।परीक्षा को सुचारू रुप व सकुशल, नकल विहीन संपन्न करने के लिए जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर, एसपी ग्रामीण बलवंत चौधरी,एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी, सीओ सिटी श्रीयश त्रिपाठी सहित नोडल अधिकारी,सेक्टर मजिस्ट्रेट व अन्य प्रशासनिक व पुलिस प्रशासन के अधिकारी परीक्षा केंद्रों पर भ्रमणशील रहे।इसी कड़ी में नकल माफियाओं तथा परीक्षा को लीक करने के वाले लोगो पर शिकंजा कसने के लिए एसटीएफ तथा अन्य खूफियां एजेंसी के अधिकारी तथा कर्मचारी भी सक्रिय रहे।वही सादे वर्दी में सुरक्षाकर्मी महिला तथा पुरुष के साथ–साथ खुफिया विभाग के कर्मचारी खास कर फोटोकापी सहित अन्य दुकानों पर अपनी पैनी निगाह बनाये रखे थे।परीक्षा छूटने के बाद परीक्षार्थी रोडवेज स्टेशन,कैंट रेलवे स्टेशन तथा अन्य पर प्रमुख बाजारों तथा चौराहों के साथ–साथ अन्य प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग न करने पाए इसके लिए प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी कुमार पांडे, प्रभारी निरीक्षक थाना कैंट संजीव कुमार,महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला, महिला उप निरीक्षक सोनी, प्रिया के अलावा अन्य खुफिया विभाग की एजेंसियों के कर्मचारी बस स्टेशन, कैंट रेलवे स्टेशन के साथ–साथ अन्य प्रमुख चौराहों पर शादी तथा पुलिस के भेष मे भ्रमणशील रहे।

भीषण गर्मी में आघोषित विद्युत कटौती से आम जनमानस बेहाल

अयोध्या।भीषण गर्मी में शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक विद्युत विभाग द्वारा अघोषित विद्युत कटौती के चलते आम जनमानस का जीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। इस समय सबसे अधिक परेशानी रात में अघोषित रूप से हो रही विद्युत कटौती से लोगों को हो रही है क्योंकि इस दौरान भी सर गर्मी तथा मच्छरों के प्रकोप से लोगों को रात भर जाग कर बिताना पड़ रहा है। वही रात में बिजली न होने के चलते बच्चों के पठन–पाठन पर जहां एक तरफ प्रभाव पर रहा है वही इस समय अभी कहीं जगह पर गेहूं की मडाई भी किसान कर रहे हैं विद्युत आपूर्ति सुचारू रूप से न होने के चलते गेहूं मडाई का कार्य भी प्रभावित हो रहा है। यही दशा शहर वासियों की भी है शहर वासियों को बिजली न होने के चलते जहां एक तरफ पूरी रात जाग कर बिताना पड़ रहा है वही दिन में बिजली न होने के चलते दुकान दरों सहित अन्य व्यवसाई गर्मी में बहाल दिखाई दे रहे हैं। इस संबंध में जब संबंधित फिटर पर तैनात जेई, तथा विद्युत विभाग के मुख्यालयों पर बैठे अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो उनका नंबर स्विच ऑफ आता है। वही इस समय भी सर गर्मी में आघोषित विद्युत कटौती का दंश झेल रहे लोगों का कहना है कि अगर इस गर्मी में विद्युत आपूर्ति सुचार रूप से नहीं हुई तो उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगे।

एम शशांक त्रिपाठी ने अधिकारियो संग किया सीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम का स्थलीय निरीक्षण

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।29 अप्रैल को सीएम के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर डीएम शशांक त्रिपाठी ने कई अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थलों का स्थलीय निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने राम कथा पार्क, हनुमानगढ़ी एवं श्री राम जन्मभूमि परिसर, एयरपोर्ट आदि का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, साफ–सफाई, यातायात प्रबंधन एवं अन्य आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया।डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं तथा सुरक्षा के दृष्टिगत कोई भी लापरवाही न बरती जाए।उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को सकुशल संपन्न कराने हेतु सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें।इस मौके पर एसपी प्रोटोकाल एपी सिंह,ज्वाइंट मजिस्ट्रेट आदित्य विक्रम अग्रवाल, अपर जिलाधिकारी नगर योगानंद पांडे सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

अमृत भारत एक्सप्रेस के लोकार्पण के समय कार्यक्रम स्थल व ट्रैक पर तैनात रहेंगे जीआरपी व आरपीएफ के सुरक्षाकर्मी

अयोध्या।अयोध्या से महानगरी मुंबई के लिए अमृत भारत एक्सप्रेस सप्ताह में एक दिन चलेगी।इस ट्रेन में खास बात यह है कि अयोध्या व आसपास के जनपद से मुंबई नौकरी करने जाने वाले मध्यम वर्गों के लिए यह अमृत भारत एक्सप्रेस काफी सुविधाजनक रहेगी।क्योंकि इसमें स्लीपर क्लास तथा जनरल क्लास के ही सभी कोच रहेंगे। अयोध्या धाम से 28 अप्रैल मंगलवार को इस ट्रेन का लोकार्पण होगा।कार्यक्रम के तैयारी तथा सुरक्षा की दृष्टि से आरपीएफ तथा जीआरपी विभाग भी कार्यक्रम स्थल से लेकर स्टेशन परिसर तथा आसपास के रेलवे क्रॉसिंग सहित अन्य जगहों पर इन दोनों विभागों की सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक आरपीएफ कैंट रेलवे स्टेशन हरीश शाही ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम अयोध्या धाम से होगा लेकिन इस दौरान सुरक्षा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।रेलवे ट्रैक के साथ–साथ मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग के अलावा सभी रेलवे क्रॉसिंगों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे।इसके लिए एक दर्जन से अधिक आरपीएफ के सुरक्षाकर्मियों को लगाया गया है।वही जीआरपी प्रभारी निरीक्षक कैंट रेलवे स्टेशन अनिल प्रकाश सिंह ने बताया कि लोकार्पण के समय किसी प्रकार का विघ्न न उत्पन्न हो इसके लिए अयोध्या धाम स्थित कार्यक्रम स्थल से लेकर दर्शन नगर अयोध्या कैंट, मसौधा रेलवे ट्रैक पर चिन्हित किए गए है। सभी स्थानों पर जीआरपी के सुरक्षाकर्मी मौजूद रहेंगे। इसके लिए उन्हें लगभग 40 सुरक्षाकर्मी अतिरिक्त मिले हुए हैं।जिनमे निरीक्षक,उप निरीक्षक तथा सुरक्षाकर्मी शामिल है।

फरार अभियुक्त पर एसएसपी ने किया 10 हजार का इनाम घोषित

अयोध्या।अपराध नियंत्रण अभियान के तहत एसएसपी ने थाना कोतवाली अयोध्या में पंजीकृत एक मामले में फरार चल रहे अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु ध10,000 का पुरस्कार घोषित किया है।पुलिस के मुताबिक एक गंभीर मामले में वांछित अभियुक्त सानिध्य तिवारी उर्फ प्रबल दास पुत्र सुभाष चंद्र तिवारी, निवासी विष्णु पुर खुर्द थाना रानीगंज जनपद प्रतापगढ़, वर्तमान पता रामायण जी की कुटिया, मणि पर्वत थाना कोतवाली अयोध्या, लंबे समय से फरार चल रहा है।उक्त अभियुक्त की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए एसएसपी डॉक्टर गौरव ग्रोवर द्वारा उस पर ध10,000 का इनाम घोषित किया है। इस संबंध में पुलिस ने आम जनता से अपील किया है कि यदि किसी को उक्त अभियुक्त के संबंध में कोई जानकारी मिलती है, तो तत्काल नजदीकी पुलिस थाने या संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।पुलिस टीम अभियुक्त की तलाश में लगातार दबिश दे रही है और जल्द ही गिरफ्तारी की उम्मीद जताई जा रही है।

छात्र-छात्राओं के सम्मान मे भव्य समारोह का हुआ आयोजन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।मेधावी छात्र–छात्राओं के सम्मान मे भव्य समारोह आयोजित कर उन्हें सम्मानित किया गया।इस मौके पर कॉलेज की प्रधानाचार्या नीलम श्रीवास्तव ने कहा प्रतिभा किसी की मोहताज नहीं होती।वह अपना स्थान स्वयं बना लेती है।प्रतिभाओं के बल पर ही देश का विकास किया जा सकता है।बताते चले कि थाना क्षेत्र हैदरगंज के कस्बा स्थित सुमित्रा बालिका इंटर कॉलेज में आयोजित सम्मान समारोह की अध्यक्षता प्रबंधक राजकुमार श्रीवास्तव व संचालन अंकित श्रीवास्तव ने किया।इस दौरान प्रतिभा, परिश्रम और सफलता का अद्भुत संगम देखने को मिला।पूरे विद्यालय परिसर में उत्साह, गर्व और खुशी का माहौल छाया रहा।उसके बाद प्रधानाचार्या के अलावा सभी प्रतिभाशालियों को पूर्व मंडल अध्यक्ष महेंद्र मिश्र ने भी विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक भी मौजूद रहे, जिन्होंने विद्यार्थियों की मेहनत और लगन की सराहना की। साथ ही बड़ी संख्या में उपस्थित अभिभावक भीअपने को गौरवांवित महसूस किया।सम्मानित होने वाले मेधावी छात्रों मे हाईस्कूल के अमरेंद्र यादव 93%, दिवेश पाण्डेय 92%, संगम 91%, निर्मल मौर्या 90%, आदर्श पाल 90%, आदित्य 90%,सचिन 89%, तनु मौर्या 90%, सौम्या तिवारी 89%, सुहानी 87% अनुप्रिया तिवारी 87%, एवं इंटरमीडिएट के प्रिंसी पाण्डेय 88%,मोहित अग्रहरि 87.2%, ऋषि यादव 87%,राज यादव 87%,अंशिका वर्मा 86ः,मानसी वर्मा 84%, सौम्या मिश्रा 84%, अंकों के साथ अव्वल हुए।

नगर निगम व खाद्य सुरक्षा विभाग ने संयुक्तरुप से चेकिंग अभियान चलाकर अवैध रुप से संचालित मीट की दुकानों पर की कार्यवाई

अयोध्या।सोमवार को सहादतगंज से लेकर शहर के विभिन्न चौराहा तथा राम पथ पर स्थित बिना लाइसेंस व मानक पर न खडे उतरने वाले मीट की दुकानों पर नगर निगम और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने चेकिंग अभियान चलाया।इस दौरान एक दर्जन से अधिक बिना लाइसेंस तथा मानक पर खड़े न उतरने वाले अवैध रूप से पाए गए मीट की दुकानों के खिलाफ कार्यवाही की गई। इस संबंध में खाद्य सुरक्षा आयुक्त द्वितीय मानिकचंद सिंह ने बताया कि मानक के विपरीत खुले मीट की दुकानों पर शिकंजा कसने के लिए नगर निगम और खाद्य सुरक्षा विभाग की संयुक्त टीम ने चेकिंग अभियान चलाया।जो पंचकोशी परिक्रमा मार्ग, राम पथ और धर्मपथ समेत शहर के कई संवेदनशील इलाकों में अचानक छापेमारी कर चेकिंग अभियान चलाया।कार्रवाई की खबर मिलते ही मीट शॉप संचालकों में हड़कंप मच गया।कई दुकानदार आनन–फानन में अपनी दुकानें बंद कर भागते नजर आए। उन्होंने बताया कि विशेष रूप से सहादतगंज और मकबरा इलाके में उन दुकानों को निशाने पर लिया जो बिना लाइसेंस के संचालित हो रही थीं।जांच के दौरान कई दुकानों पर लाइसेंस, साफ–सफाई और मांस की गुणवत्ता से जुड़े नियमों का उल्लंघन पाया गया। जिसके बाद मौके पर ही कार्रवाई की गई।बताया कि धर्म नगरी की मर्यादा और श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए यह अभियान चलाया गया।अभी अवैध पोल्ट्री फार्मों पर भी कार्रवाई होगी।प्रशासन ने साफ किया कि धर्मपथ और राम पथ पर अवैध मीट शॉप्स के खिलाफ सख्ती जारी रहेगी।

भीषण गर्मी में सुबह से ही शहर के रोडवेज,रेलवे स्टेशन सहित प्रमुख मार्गों पर दिखा सन्नाटा

अयोध्या। भीषण गर्मी का असर शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक सुबह से ही दिखाई दे रहा है।रविवार को सबसे गर्म दिन रामनगरी में आंका गया।वहीं सोमवार को भी यही दशा सुबह से ही दिखाई दी।शहर मे चाहे रोडवेज स्टेशन हो, रेलवे स्टेशन हो,प्रमुख मार्ग हो सभी जगह सन्नाटा पसरा था।जिसका मुख्य कारण इस समय प्रचंड गर्मी दिखाई दे रही थी।इस समय सबसे दयनीय दशा जिला चिकित्सालय की है यहां पर प्रतिदिन भारी संख्या में डायरिया सहित अन्य रोगियों से ग्रसित मरीज आ रहे हैं। यहां तक कि आशंका यही जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में जिला चिकित्सालय में मरीजों की इतनी भीड़ खास कर मई और जून में होगी कि लोगों को भर्ती करना भी मुश्किल होगा।देखा जाए तो सोमवार को भी सुबह से ही सूर्य की प्रचंड किरणों से लोग मजबूरी में अपने–अपने घरों से निकलते दिखाई दिए वहीं कुछ धूप से बचने के लिए अगौछा, छाता तथा शरीर को गर्मी से निजात देने के लिए खीरा, ककड़ी, दही, छाछ जैसे ठंडे पेय पदार्थो का जिलों का सेवन करते दिखाई दिए।इस समय सबसे अधिक परेशानी दोपहर के समय में धूप से लोगों को हो रही है। कई चिकित्सकों ने लोगों से अपील भी किया है कि गर्मी बहुत तेज है इसलिए गर्मी से बचने के लिए हो सके प्रातः 10रू00 बजे के बाद शाम 5रू00 बजे से पहले बच्चे बुजुर्ग तथा खासकर गर्भवती महिलाएं बाहर निकले। जो लोग निकले वह फुल आस्तीन की कपड़े सिर को ढक कर ही निकले और कोशिश यही करें कि दोपहर में अपने घरों से निकलने का परहेज करें।

महिला एसओ आशा शुक्ला की सूझबूझ से बिछुड़ा बुजुर्ग मिला अपने परिजन से

अयोध्या।महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला की सूझबूझ से अपने परिजनों से बिछुड़ा बुजुर्ग मिलकर महिला पुलिस कर्मियों की भूरी भूरी प्रशंसा किया।बताते चलें कि भोला शाह पुत्र छोटू शाह निवासी जमालपुर पोस्ट अमनौर थाना मढ़ौरा जिला सरण बिहार अपने घर जा रहे थे।लेकिन भटकने के चलते 23 अप्रैल तक में अपने घर नहीं पहुंचे। उसके बाद में थक हार कर 24 अप्रैल को रात्रि 1रू00 बजे महिला थाने पर आए और उन्होंने अपनी आपबीती बताई और बताया कि मैं अपने घर का रास्ता भटक गया हूं कृपया मेरी मदद करें। उनकी इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने बिना देरी किए उनका मोबाइल नंबर मालूम कर उनके परिजनों को सूचित किया गया सूचना मिलते ही उनका पुत्र तुलसी शाह तथा पौत्र चंदन कुमार महिला थाने पर आकर सकुशल अपने पिता को ले गए। इस संबंध में महिला थानाध्यक्ष आशा शुक्ला ने बताया बुजुर्ग को उनके परिजनों से मिलने में महिला आरक्षी अलका वर्मा तथा साक्षी शुक्ला का काफी सहयोग रहा।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।